Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 177 , 02 दिसम्बर, शनिवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्स, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

पाकिस्तान के पेशावर में बरपा आतंक का कहर

कालेज हॉस्टल पर आतंकी हमला, 14 लोगों की मौत

25 लोग घायल, हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान ने ली

सुरक्षा बलों ने इमारत में घुसे पांच आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर का कृषि प्रशिक्षण संस्थान का वह हॉस्टल, जहां आतंकियों ने हमला किया। उसकी इमारत को घेरे हुए सुरक्षाकर्मी।

पेशावर

बुर्का पहने आतंकवादियों ने पाकिस्तान के पेशावर में कृषि प्रशिक्षण संस्थान के छात्रावास पर हमला कर दिया। हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जिनमें ज्यादातर छात्र हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मीडिया ने सुरक्षा अधिकारियों और चिकित्सकों के हवाले से बताया कि हमले में 25 लोग घायल हुए।

» आत्मघाती जैकेट, तीन ग्रेनेड, दो बम और एक पिस्तौल बरामद

जियो न्यूज के अनुसार, यह हमला सुबह के समय हुआ। बुर्का पहने हुए तीन से पांच संदिग्धों ने इमारत में प्रवेश किया और तीन धमाके सुने गए जिसके बाद छात्रावास में आग लग गई। इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान ने ली है। हमले के प्रत्यक्षदर्शी एक छात्र ने कहा कि आमतौर पर छात्रावास में लगभग 400 छात्र होते हैं लेकिन शुक्रवार को पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले ईद मिलाद-उन-नबी के अवकाश के कारण छात्रावास में केवल 150 छात्र ही मौजूद थे। छात्र ने कहा कि जैसे ही दो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू की, भयभीत छात्र शरण लेने के लिए दौड़े। कुछ को गोली लगी और कुछ घायल हुए जबकि अन्य छात्र खिड़कियों से कूद गए। पुलिस के अनुसार, रिक्शे से आए हमलावरों ने पहले दरवाजे पर खड़े चौकीदार को गोली मारी और फिर छात्रावास की ओर बढ़े। सुरक्षा बल शुरुआत में हमले से अवाक रह गए लेकिन फिर आतंकवादियों का मुकाबला किया। पेशावर के पुलिस अधिकारी बशीर दाद के हवाले से बताया, 'कुल पांच आतंकवादी मारे गए। मरने वालों में आठ छात्र और एक चौकीदार शामिल हैं।'पाकिस्तान के प्रमुख तालिबान समूह तहरीक-ए-तालिबान ने एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। बयान में कहा गया कि समूह के तीन आतंकवादियों ने हमले को अंजाम दिया। बयान में कहा गया कि हमलावरों ने

कुपवाड़ा में आतंकियों के दो ठिकाने ध्वस्त, उग्रवादी गिरफ्तार

कुपवाड़ा जिले में आतंकी ठिकाने से बरामद हथियार व गोला-बारूद।

श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार करते हुए आतंकियों के दो ठिकानों का पर्दाफाश किया तथा वहां से हथियार और गोला बारूद बरामद किया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रवक्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कुपवाड़ा के हंदवारा में राज्य पुलिस के विशेष अभियान दस्ते, 30 राष्ट्रीय

» हथियार और गोला बारूद बरामद

दोषी नेताओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए कहा कि दोषी पाए गए नेताओं के नई राजनीतिक पार्टियां बनाए जाने पर बैन लगाया जाए और ऐसे लोगों के राजीतिक कार्यालय का स्वामित्व खत्म कर दिया जाए। दोषी नेताओं से जुड़े एक मामले को लेकर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह बात कही।

यूपी निकाय चुनाव : भाजपा ने लहराया जीत का परचम

भारतीय जनता पार्टी ने महापौर की 16 सीट में से 14 पर जीत दर्ज की

दो सीट पहली बार मेयर के चुनाव में उतरी बसपा के खाते में गई

लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय में निकाय चुनाव में मिली भारी जीत की खुशी में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ व अन्य भाजपा नेता विक्ट्री चिन्ह बनाते हुए।

लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र के बाद उत्तर प्रदेश और अब शहर के चुनाव में अपना परचम लहराया। भारतीय जनता पार्टी ने महापौर की 16 सीट में से 14 पर जीत दर्ज की। दो सीट पहली बार मेयर के चुनाव में उतरी बहुजन समाज पार्टी के खाते में गई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा की नीतियों को लोगों ने सही ठहराया। मथुरा में भारतीय जनता पार्टी के मुकेश आर्य बंधु तथा अयोध्या में भाजपा के ऋषिकेश उपाध्याय ने बाजी मारी। यूपी नगर निगम चुनाव का पहला नतीजा आया। बीजेपी के मुकेश आर्य बंधु जीते। उन्होंने कांग्रेस के मोहन सिंह को हराया। मथुरा नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पीछे बीजेपी ने बढ़त बनाई। फैजाबाद अयोध्या नगर निगम पर भाजपा का कब्जा हो गया। अयोध्या-फैजाबाद नगर निगम का परिणाम घोषित हो गया। भाजपा प्रत्याशी ऋषिकेश उपाध्याय ने सपा के गुलशन बिंदु को 4600 वोटों के अंतर से हराया। अयोध्या-फैजाबाद को योगी सरकार ने नगर निगम बनाया। मेयर पद के चुनाव में सत्ता पर काबिज भाजपा को बसपा से कड़ी टक्कर मिली । मेयर पद के चुनाव में बीते वर्ष सत्ता में रही समाजवादी पार्टी के साथ ही कांग्रेस मुकाबले से बाहर हैं। लखनऊ में भाजपा उम्मीदवार संयुक्ता भाटिया, इलाहाबाद में अभिलाषा गुप्ता, अयोध्या में ऋषिकेश उपाध्याय-, मुरादाबाद में विनोद अग्रवाल, मथुरा में मुकेश आर्यबंधू, बरेली में उमेश गौतम, कानपुर में प्रमिला पाण्डेय-, अलीगढ़ में मोहम्मद फुरकान, गोरखपुर में सीताराम जायसवाल-, वाराणसी में मृदुला जायसवाल, गाजियाबाद में आशा शर्मा -जीतीं। मेरठ में बसपा की सुनीता वर्मा- जीतीं। आगरा में भाजपा उम्मीदवार नवीन जैन, झांसी में रामतीरथ-, सहारनपुर में संजीव वालिया-, फिरोजाबाद में नूतन ठाकुर- जीतीं। गोरखपुर में नगर निगम में महापौर पद के भाजपा प्रत्याशी सीताराम जायसवाल ने रिकार्ड जीत के साथ कब्जा जमाया। सीताराम ने सपा के राहुल गुप्ता को 75 हजार से अधिक वोट से पराजित किया। सीताराम को 145992 और राहुल को 70169 वोट मिले। इससे पहले 2006 में भाजपा की अंजू चौधरी लगभग 59 हजार वोटों से जीती थी। वाराणसी से भाजपा की प्रत्याशी

» भाजपा की नीतियों को लोगों ने सही ठहराया : योगी

एक नजर

रसोई गैस सिलेंडर हुआ फिर महंगा

नई दिल्ली : तेल विपणन कंपनियों ने गैर सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमत में 5 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ौतरी कर दी। इससे गैस सिलेंडर की कीमत 742 रुपए से बढ़कर 747 रुपए हो गई। इस कारण अब लोगों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। इसके अलावा सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया और यह 495.65 रुपए में ही मिलेगा। तेल विपणन की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल कार्पोरेशन के अनुसार बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलो के गैस सिलेंडर दिल्ली में अब 747 रुपए में मिलेंगे। वहीं मुंबई में इसकी कीमत 719 रुपए होगी, जबकि 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 1318 रुपए हो जाएगी जो पहले 1310 रुपए थी। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गईं।

2000 के नए नोट पर आई नई मुसीबत, बैंक देंगे छोटे नोट

चंडीगढ़ : नोटबंदी के बाद जारी किए गए 2000 के नोटों पर नई मुसीबत आ गई। लिहाजा बैंकों को निर्देश दिए गए कि वे ग्राहकों को फिलहाल 2000 के नोट कम से कम दिए जाएं। इसकी जगह अधिकांश भुगतान छोटे नोटों में किए जाएं। हालांकि बैंकों को जारी यह नया निर्देश लोगों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर सकता है, लेकिन कालेधन पर लगाम लगाने आसानी होगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चंडीगढ़ के एक अधिकारी के मुताबिक, 2000 रुपए के नोटों के बारे में एक अहम फैसला लिया गया।

सुनंदा पुष्कर केस में शशि थरूर को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि सुनंदा पुष्कर की मौत पर खबर प्रसारित करने के रिपब्लिक टीवी के अधिकार पर रोक नहीं लगाई जा सकती है, लेकिन खबर संतुलित होनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर को इस मामले में बोलने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। उच्च न्यायालय ने मीडिया को भी यह कहते हुए फटकार लगाई कि जांच के अधीन या विचाराधीन मामलों की खबरों में वह किसी को अभियुक्त करार नहीं दे सकता है और न ही किसी के बारे में दोषी होने का संकेत दे सकता है या अप्रमाणित दावे कर सकता है।

मोदी और मनमोहन विश्व के साहसी नेता : ओबामा

कहा, भारत के प्रधानमंत्री के पास एक विजन है

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा मुलाकात के दौरान एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए।

नई दिल्ली

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की खुलकर तारीफ की। ओबामा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के पास भारत के लिए एक विजन है और वो नौकरशाही का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। ओबामा ने यहां एचटी लीडरशिप समिट में पत्रकार करण थापर द्वारा मोदी के बारे में उनकी राय पूछे जाने पर कहा, 'मैं उन्हें पसंद करता हूं। लेकिन मैं डॉ. सिंह का भी बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।' ओबामा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'निजी तौर पर' कहा था कि देश को सांप्रदायिक आधार पर नहीं बांटा जाना चाहिए। अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा ने कहा कि दोनों देशों की जनता के संपर्क से भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते मजबूत हुए हैं। ओबामा ने यह भी बताया कि वो अमेरिकी के ऐसे इकलौते राष्ट्रपति थे जो दो बार भारत की यात्रा पर आए थे। मोदी और मनमोहन के साथ अपने संबंधों पर बात करते हुए ओबामा ने कहा कि मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक साहस दिखाया।

» अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को मनमोहन का बहुत बड़ा प्रशंसक बताया

एक हो सकते हैं जीएसटी के 12-18 फीसदी के टैक्स स्लैब : जेटली

नई दिल्ली,

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने माल एवं सेवाकर (जीएसटी) प्रणाली के तहत राजस्व संग्रहण में वृद्धि की रफ्तार पकड़ लेने के बाद 12 और 18 फीसदी दरों को मिलाने का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि 28 फीसदी की सबसे ऊंची जीएसटी दर में विलासिता और अहितकर वस्तुओं की बहुत छोटी सूची ही रह जाएगी। वह यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जेटली ने कहा कि नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की शुरुआती अनेक दरों के साथ की गई, ताकि कर भार को कमोबेश जीएसटी से पहले के स्तर पर ही रखा जा सके। उन्होंने कहा कि देश धीरे-धीरे ऐसी प्रणाली की ओर बढ़ेगा, जिसमें दो ही दर वाली जीएसटी होगी। हालांकि, यह कितनी जल्दी

सुखपाल खैहरा को सुप्रीम कोर्ट से मिली भारी राहत

चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के विधायक सुखपाल खैहरा को नशा तस्करी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी। फाजिल्का अदालत द्वारा जारी समन पर कोर्ट ने रोक लगा दी। सुखपाल खैहरा ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फाजिल्का अदालत की तरफ से जारी समन पर रोक लगा दी। इसके साथ पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। खैहरा ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विधानसभा में कांग्रेस के बहुमत का गलत इस्तेमाल करते हुए मेरे और बैंस भाईयों के खिलाफ प्रस्ताव पास करवा

» फाजिल्का अदालत द्वारा जारी समन पर रोक लगाई

हनीप्रीत की न्यायिक हिरासत 7 तक बढ़ी

पंचकूला : **डेरा** सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की गोद ली बेटी हनीप्रीत की आज दोपहर बाद पंचकूला की सीजीएम कोर्ट में पेशी हुई। उसकी पेशी अंबाला की सेंट्रल जेल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये हुई। अदालत ने उसकी न्यायिक हिरासत 7 दिसंबर तक बढ़ा दी। हनीप्रीत गुरमीत राम रहीम की राजदार है और अभी अंबाला सेंट्रल जेल में बंद है। उसके खिलाफ पंचकूला में हिंसा के मामले में तीन दिन पहल चार्जशीट दायर की गई। हनीप्रीत को गुरमीत राम रहीम को दोषी ठहराए जाने के बाद पंचकूला में हिंसा के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज है। वह न्यायिक हिरासत में अंबाला जेल में बंद है और जेल से ही उसकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

राष्ट्रीय पोषण मिशन को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पोषण मिशन को मंजूरी दे दी, ताकि किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों के लिए समग्र विकास और जरूरी पोषण सुनिश्चित हो सके। महिला और बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करानेवाली माताओं को जरूरी पोषण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कुपोषण और ठिगनेपन को खत्म किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद महिला और बाल विकास

पटाखों पर लगेगा प्रतिबंध, कोर्ट ने केंद्र को दिया नोटिस

नई दिल्ली : **सर्वोच्च** न्यायालय ने पटाखे बनाने, जलाने और उनकी बिक्री पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाने की मांग करती एक याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इस याचिका में किसानों द्वारा पराली जलाने पर भी राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। न्यायमूर्ति ए.के. सिकरी और न्यायमूर्ति अशोक भूषण की पीठ ने अर्जुन गोपाल नामक एक बच्चे की याचिका का जवाब देने के लिए केंद्र को चार सप्ताह का समय दिया। बच्चे का प्रतिनिधित्व वकील गोपाल शंकरनारायण कर रहे हैं। इसी संदर्भ में अन्य याचिकाकताओं ने भी अदालत का दरवाजा खटखटाया। वे पटाखें बनाने, जलाने और उनकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं क्योंकि इसके कारण वायु प्रदूषण में

अब भारत की बढ़ेगी समुद्री ताकत, 6 परमाणु पनडुब्बियां बनाने का मिशन आरम्भ

नई दिल्ली

चीन की आक्रामक गतिविधियों के मद्देनजर भारत ने अपने नौसैनिक बेड़े को अत्याधुनिक बनाने तथा परमाणु शक्ति से लैस करने के लिए छह और परमाणु पनडुब्बी बनाने का महत्वाकांक्षी मिशन शुरू किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने आज यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्षेत्र में पारंपरिक और गैर पारंपरिक चुनौतियों को देखते हुए स्थिति पर निरंतर नजर बनाये रखने तथा उससे निपटने के कदम उठाये जाने की जरूरत है। भारतीय युद्धपोत हिन्द महासागर में आने -जाने के अदन की खाड़ी से लेकर मलक्का जल डमरू मध्य और सुंडा तथा लुंबोक जल डमरू मध्य तक के

प्रद्युम्न हत्याकांड

न्यायमूर्ति ललित मामले की सुनवाई से अलग हुए

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल की दूसरी कक्षा के छात्र प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या के मामले की सुनवाई से खुद को आज अलग कर लिया। मृतक के पिता बरूण चंद्र ठाकुर ने रेयान इंटरनेशनल के मालिक- पिंटो परिवार के सदस्यों को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से मिली जमानत को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल और न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित की पीठ के समक्ष होनी थी,

ब्रिटेन के सांसदों ने ट्रंप की राजकीय यात्रा रद्द करने की मांग की

ट्रंप द्वारा मुस्लिम विरोधी संदेशों को रीट्वीट करने से उपजा विवाद

लंदन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मुस्लिम विरोधी संदेशों को रीट्वीट करने से उपजे विवाद के बीच ब्रिटेन में सांसदों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर टेरीजा मे सरकार से ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के लिए ट्रंप को दिया गया निमंत्रण रद्द करने की मांग की है। जॉर्डन की यात्रा पर गईं ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने इंग्लैंड के अति दक्षिणपंथी समूह ब्रिटेन फर्सट के संदेशों की निंदा की है और इसे एक घृणित संगठन करार दिया है जो विभाजन और अविश्वास फैलाता है और हर वो चीज करता है जो आम ब्रिटिश शालीनता के खिलाफ होती है। ब्रिटिश फर्सट के संदेशों को ही ट्रंप ने रीट्वीट किया था। उन्होंने कहा कि हम साथ में काम करते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हम यह कहने से डरते हैं कि अमेरिका ने कुछ गलत किया है। ये उनके साथ बहुत साफ है और वह इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि ब्रिटेन फर्सट के ट्वीटों को रीट्वीट करना गलत है। इस विवाद का असर ब्रिटेन की संसद की कार्यवाही पर भी पड़ा। ब्रिटेन की गृह मंत्री अंबर रड ने प्रधानमंत्री मे का बयान दोहराया कि ट्रंप का रिट्वीट करना गलत है। कई सांसदों ने अगले साल ट्रंप की प्रस्तावित राजकीय यात्रा के निमंत्रण को रद्द करने की मांग की। यह निमंत्रण महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की ओर से दिया गया था।

क्रांति समय

उत्तर प्रदेश चुनाव परिणाम

पंजाब में नगर निगमों और नगर कौंसिलों के चुनाव 17 दिसम्बर को होने की घोषणा सरकार ने की है। उत्तर प्रदेश में 16 नगर निगमों और 198 नगर कौंसिलों के जो परिणाम सामने आए हैं उस से स्पष्ट होता है कि कभी राष्ट्र स्तर की राजनीति का केंद्र बिन्दू रही कांग्रेस और गांधी परिवार के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है। 2014 में हुए लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को अगर कहीं राहत मिली है तो वह पंजाब विधानसभा चुनावों में ही मिली है। लेकिन जमीनी सत्य यह है कि पंजाब में कै. अमरेन्द्र सिंह के समर्थन और बादल सरकार के विरोध में ही मतदान हुआ था। कांग्रेस को तो उपरोक्त स्थिति का लाभ ही मिला था।

गुजरात के विधानसभा के लिए 9 और 14 दिसम्बर को होने वाले मतदान से पहले उत्तर प्रदेश के नगर निगमों और नगर कौंसिलों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए अशुभ संकेत ही दे रहे हैं। अमेठी नगर कौंसिल पर भाजपा की जीत ही दर्शाती है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में जमीन खोती चली जा रही है। कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी को इसी माह कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बनाने की तैयारी में है। राहुल गांधी का पार्टी में विरोध करने वाला कोई नहीं है। इसलिए पार्टी अध्यक्ष बनना उनके लिए मुश्किल नहीं है। कांग्रेस पार्टी जिसने आजादी की लड़ाई के दौरान अहम भूमिका निभाई और आजादी की प्राप्ति के बाद के 7 दशक में से 6 दशक सत्ता में भी रही लेकिन आज वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखाई दे रही है।

राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में जब से नरेन्द्र मोदी आये हैं तभी से देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है। नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय स्तर पर आने से पहले कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही थी। धर्म–निरपेक्षता के नाम पर मुस्लिम मतदाता को खुश करती रही और हिन्दू समाज की भावनाओं की अनदेखी करती रही। एक सीमा के बाद देश के बहुमत हिन्दू समाज को लगा कि कांग्रेस के लिए मुस्लिम मतदाता अधिक महत्व रखता है और मुस्लिम समाज की भावनाओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को लेकर जिस तरह मुस्लिम समाज को कांग्रेस समर्थन व संरक्षण देती रही तथा मामले को किसी न किसी बहाने लटकाती रही उसके परिणामस्वरूप हिन्दू समाज का कांग्रेस प्रति आकर्षण कम होता गया।

भ्रष्टाचार तथा करोड़ों–अरबों के घोटालों के कारण कांग्रेस कटघरे में खड़ी दिखाई दी। दलित, पिछड़े व गरीब मतदाता का भी कांग्रेस प्रति मोह भंग होता चला गया। वर्तमान में नोटबंदी और जीएसटी के विरोध में कांग्रेस ने जो कुछ कहा व किया उसका लाभ भाजपा को ही हुआ। भाजपा ने विकास को चुनावी मुद्दा बनाया जबकि कांग्रेस ने फिर वही धर्मनिरपेक्षता का राग अलापना शुरू कर दिया। भाजपा ने कांग्रेस में गांधी परिवार और विशेषता राहुल गांधी को अपने निशाने पर रखा। परिवारवाद, कुशासन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर भाजपा ने देश की सबसे बड़े माने जाने वाले दल की जड़े हिलाकर रख दी हैं।

राहुल गांधी को देश की जनता ने तभी से बतौर संभावित प्रधानमंत्री देखना बंद कर दिया था जब स. मनमोहन सिंह के समय में उन्होंने एक बिल की प्रति को सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित विधेयक की प्रति को सार्वजनिक रूप से फाड़ना ही राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाता था। राहुल गांधी का कै. अमरेन्द्र सिंह तथा राजा वीरभद्र सिंह से प्रदेश की विधानसभा चुनावों से पहले जिस तरह का बर्ताव था उससे भी राहुल की छवि कमजोर ही हुई थी। कै. अमरेन्द्र और राजा वीरभद्र सिंह आज जो कुछ भी हैं वह अपने दम खम पर हैं जबकि राहुल गांधी आज भी अपने वंश के कारण ही राजनीति में पहचाने जाते हैं। योगी आदित्यनाथ तथा नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध कांग्रेस आज जो कुछ भी कह रही है उसको जनता स्वीकार करने को तैयार नहीं, क्योंकि जनता समझ रही है कि कांग्रेस केवल और केवल मुस्लिम मतदाता को खुश करने के लिए ही सब कुछ कर रही है। नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ आज हिन्दुत्व प्रेमी के रूप में ही नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति प्रेम के लिए भी विशेष पहचान बना चुके हैं।

कांग्रेस समेत सभी दल राष्ट्र के प्रति ईमानदार हैं, लेकिन उनके नेताओं द्वारा भाजपा व भाजपा के विभिन्न नेताओं का जिस प्रकार तथा जिन मुद्दों पर विरोध कर रहे हैं उनको जन साधारण स्वीकार नहीं कर रहा। उत्तर प्रदेश के नगर निगमों तथा नगर कौंसिलों के परिणामों से स्पष्ट है कि कांग्रेस के साथ साथ सपा को भी झटका लगा है। बहुजन समाज पार्टी को मुस्लिम संगठनों के साथ तालमेल का लाभ हुआ है। दलित और मुस्लिम गठबंधन अब अधिक देर तक टिकने वाला नहीं, क्योंकि भाजपा अपनी व्यापारियों द्वारा समर्थित पार्टी की छवि बदलने में सफल रही है और इसी बात का उसे राजनीतिक लाभ मिल रहा है।

भाजपा को लगातार मिल रही विजय से उस पर जिम्मेवारी भी बढ़ रही है। भाजपा से बहुत आशाएं लगाकर जन साधारण बैठा है। देशहित के नाम पर आम आदमी कठिनाइयों को झेलने के लिए भी तैयार है। विकास का लाभ जन साधारण को मिले यह बात भाजपा को सुनिश्चित करनी होगी। अगर भाजपा धरातल स्तर पर राहत देने में असफल रहती है तो 2019 के लोकसभा चुनावों में उसे परेशानी हो सकती है।

विपक्षी दलों को भी अपनी रणनीति पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष की भी आवश्यकता होती है।

गुजरात ले रहा मोदी का कड़ा इम्तिहान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय गुजरात के चुनावी भंवर में फंसे दिखाई देते हैं। सत्ता और सियासत के गलियारों में चर्चाएं सुनें तो लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी इस समय घबराहट और परेशानी की मनोदशा में हैं। स्थितियां उनके हाथ से फिसल रही हैं। जनता की नाराजगी (मोहभंग नहीं) उन्हें महसूस हो रही है। 2019 के आम चुनावों की हार उन्हें अभी से आशंकित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के पास समय बहुत कम है और काम असंख्य हैं। कुछ संवेदनशील वादों के

लेखक

पूरा न कर पाने के मद्देनजर प्रधानमंत्री चिंतित हैं।

इन सबके बीच गुजरात भी चिंता का सबब बना है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि वह कांग्रेस और राहुल गांधी को आसान राजनीतिक वाक ओवर दे देंगे।

ऐसे तीन अहम मुद्दे हैं जहां मोदी और बीजेपी को पास होना है। पहली बात यह कि यह चुनाव मोदी लहर का टेस्ट कहा जा रहा है। अब 2019 के चुनाव में डेढ़ साल से भी कम वक्त रह गया है। गुजरात बीजेपी का गढ़ है इसलिए ये इसे 2019 का सेमीफाइनल और मोदी लहर का टेस्ट माना जा रहा है। अब तक मोदी लहर बिहार छोड़कर हर राज्य में दिखी है। अगर गुजरात के नतीजे भी उनकी उम्मीदों के एन मुताबिक आते हैं तो मोदी के लिए इससे बड़ी खुशखबरी नहीं हो सकती।

दूसरा सवाल कि मोदी के बगैर गुजरात में बीजेपी की हैसियत क्या है। विधानसभा के बीते चार विधानसभा चुनाव में ये पहला चुनाव है जो मोदी के नेतृत्व में नहीं लड़ा जा रहा है। अब सीएम की कुर्सी पर विजय रुपाणी हैं। मोदी ने अपने नेतृत्व में तीनों चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाई और बड़ी जीत दिलाई। अगर मोदी बतौर पीएम गुजरात में फ्लाप होते हैं तो यह कहा जाएगा कि उनके विकास का माडल नकली साबित हुआ है।

नोटबंदी और जीएसटी पर एक कारोबारी राज्य का फैसला क्या रहता

है। नोटबंदी के बाद बीजेपी यूपी का चुनाव जीत चुकी है लेकिन जीएसटी लागू किए जाने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। खासकर इसे लेकर व्यापारियों और कारोबारियों में खासी नाराजगी पाई जाती है। दूसरी तरफ हाल के दिनों में नोटबंदी को लेकर भी सवाल खड़े किए गए हैं। इसलिए इस चुनाव में बीजेपी हारती है तो कहा जाएगा कि ये हार नोटबंदी और जीएसटी की वजह से हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रवासों के दौरान करोड़ों-अरबों की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किए हैं यानी विकास की एक निरंतरता बनी रही है। बेशक जीएसटी और नोटबंदी ने व्यापारियों को बहुत नुकसान पहुंचाया है। करीब 40 फीसदी कारोबार ठप्प हुआ है। प्रधानमंत्री ने जीएसटी में संशोधन करा व्यापारियों के सवालों को संबोधित किया है।

पाटीदार आंदोलन के ही वरुण, रेशमा, नरेंद्र पटेल आदि 15 महत्त्वपूर्ण समर्थकों और सहयोगियों समेत करीब 70 युवा चेहरे भाजपा के पाले में आ चुके हैं और यह सिलसिला अभी जारी है। वे पाटीदार आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता भी रहे हैं और बुनियादी तौर पर जनता भी हैं। अकेले हार्दिक क्या भाड़ फोड़ लेंगे? जिन तीन बिरादरियों के कांग्रेस को समर्थन देने का दावा किया जा रहा है, वह भी बुनियादी तौर पर गलत है। हकीकत यह है कि तीनों युवा नेताओं का अपनी-अपनी बिरादरी के एक हिस्से पर ही असर है।

पाटीदार समिति तो विभाजित है। किसके आह्वान पर कितनी बिरादरी भाजपा के खिलाफ वोट देगी, अभी निश्चित नहीं है। उसका भी एक विशेष कारण है। दरअसल गुजरात में पटेल समुदाय बुनियादी तौर पर व्यापारी है और हिंदुत्व को लेकर भी बेहद प्रतिबद्ध है। इस तरह पाटीदार भाजपा के साथ जुड़े रहे हैं। इस बार कुछ सेंध तो लगेगी लेकिन कांग्रेस को गुजराती लोग 'मुस्लिमवादी पार्टी' मानते रहे हैं, लिहाजा कांग्रेस पूरी तरह भाजपा के विकल्प में आज भी मौजूद नहीं है। गुजरात में कांग्रेस का संगठन चरमराया हुआ है, यह खुद राहुल गांधी मानते रहे हैं जबकि भाजपा प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की फौज के साथ मौजूद है।

राहुल के लिए यह चुनाव इसलिए भी एक मौका बताया रहा है क्योंकि वो एक ऐसे राज्य के चुनाव मैदान में उतरे हैं जहां बीजेपी काफी दिनों से सत्ता में है और सरकार विरोधी लहरें भी मुखर हैं।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री स्तर का कोई चेहरा भी नहीं है। हालांकि भाजपा भी प्रधानमंत्री मोदी के भरोसे ही है लेकिन मुख्यमंत्री कोई भी हो, काम तो प्रधानमंत्री मोदी को करने हैं। वह लगातार गुजरात को कुछ न कुछ देते दिख रहे हैं, यह सच भी भाजपा के पक्ष में जाता है। फिलहाल अहम सवाल तो यह पूछा जा रहा है कि अल्पेश और हार्दिक एक साझा मंच पर राजनीति कैसे कर सकते हैं? आरक्षण दोनों का अहम मुद्दा है और कांग्रेस ने कोई आश्वासन नहीं दिया है। सरकार किसके हिस्से में से आरक्षण देगी? ओबीसी करीब 35 फीसदी हैं जबकि पाटीदार उससे आधे करीब 18 फीसदी हैं।

सवाल यह भी है कि प्रधानमंत्री खुद ओबीसी हैं। उनसे बड़ा ओबीसी नेता कौन हो सकता है? बहरहाल प्रधानमंत्री चिंतित इसलिए हैं कि यदि गुजरात में चुनाव परिणाम उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा तो 2019 का मिशन गड़बड़ा सकता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में सभी 26 सीटें भाजपा की झोली में आई थीं, लिहाजा नतीजे उसके आसपास ही रहने चाहिएं। अभी तो हवा की गति बेहद मद्धिम है। उसने गति पकड़नी है। हवा का रुख आने वाले दिनों में और भी साफ होगा। (अदिति)

पाकिस्तान सेना नहीं चाहती कि भारत-पाक संबंध सुधरें

पाकिस्तान-भारत का सबसे करीबी पड़ोसी देश है परन्तु दोनों देशों के बीच रिश्ता काफी उलझा हुआ रहा है। पिछले एक दशक से पाकिस्तान कश्मीर में छट्म युद्ध छेड़े हुए हैं। भारत-पाक के बीच चार युद्ध हो चुके हैं। 1947, 1965, 1971 और 1999 में करगिल। इन सभी युद्धों में पाकिस्तान को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। पिछले दिनों पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण कई बार हिन्द-पाक के बीच युद्ध होते-होते बचा। युद्ध केवल विनाश का कारण बनते हैं और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव डालते हैं। भारत-पाक दोनों देश अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच टकराव की जड़ें इतिहास धर्म और भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीति से जुड़ी हुई हैं। इस कटुता के बीज 1947 में हिन्द-पाक विभाजन के समय से ही पड़ चुके थे। 1947 में हुईं हिंसक खूनी घटनाओं ने कटुता और नफरत को जन्म दिया।

पाकिस्तान के इतिहास पर नजर डाली जाए तो उसका अस्तित्व 1947 में सामने आया। हिन्द-पाक दोनों देशों ने राष्ट्र निर्माण के लिए अलग-अलग रास्ते अपनाए और अपनी-अपनी विदेश नीतियों को भी नया अंजाम दिया। भारत ने धर्म निरपेक्ष प्रजातांत्रिक प्रणाली की स्थापना की, जबकि पाकिस्तान को इस प्रणाली को अपनाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारत में दो प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी और राजीव गांधी आतंकवादियों का शिकार हुए जबकि पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खां गोलियों का शिकार हुए। जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी के फंदे पर लटकना पड़ा। जनरल जिया उल हक वायुसेना के हवाई जहाज की दुर्घटना में मारे गए।

बेनजीर भुट्टो की बम धमाके में हत्या कर दी गई। नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार के केस में गद्दी छोड़नी पड़ी। 1950 के पश्चात पाकिस्तान में कई बार सैनिक शासन रहा और लोकतंत्र को बार-बार फौजी राज के बूटों तले रौंदा गया। 1971 के हिन्द-पाक युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना के 95 हजार सैनिकों को बंदी बना लिया था और पाकिस्तान का एक हिस्सा अलग करके नए देश

लेखक

(बंगला देश) की स्थापना की गई। पाकिस्तान अपना एक अंग कहने का दर्द अभी तक भूला नहीं है। अतः भारत से बदला लेने के लिए कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

कुछ वर्ष पहले पाकिस्तान में लोकतंत्र पुनः कायम हुआ है। जनरल जिया उल हक के लम्बे समय के शासन काल में इस्लामीकरण की नीति और अफगानिस्तान में हस्तक्षेप का ही परिणाम है कि जनरल मुशर्रफ ने आतंकवाद के विरुद्ध दोहरी भूमिका अदा की। एक तरफ तालिबान और अलकायदा के खात्मे के लिए अमेरिका से अरबों डॉलर की राशि प्राप्त करते रहे दूसरी तरफ अलकायदा और तालिबान के बड़े नेताओं को पाकिस्तान में शरण दी। अलकायदा का प्रमुख ओसामा पाकिस्तान में मारा गया। पाकिस्तान अभी तक अमेरिका लॉबी के साथ गिना जाता था, परन्तु अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को आतंकवादियों की पनाहगाह घोषित किए जाने के पश्चात अमेरिका-पाकिस्तान के रिश्ते में दूरियां बढ़ी हैं।

पाकिस्तान अब चीन और रूस से निकटता बढ़ा रहा है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत उसकी एकता और अखण्डता के लिए सबसे बड़ा खतरा है इसीलिए पाकिस्तान ने कश्मीर के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय बनाने के लिए एक तरह का अभियान छेड़ा हुआ है। कश्मीर में वह आतंकवादी गुटों को पैसा और शस्त्रों की सप्लाई कर रहा है। पाकिस्तान में इस समय अराजकता का वातावरण है। अब्बासी की सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। सिंध में मुहाजिरों के अलग-थलग होने की समस्या से निपटा नहीं जा रहा। बिलोचिस्तान में बिलोची नेता अकबर बुकती की हत्या के पश्चात हिंसक घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। बिलोची लोग अलग बिलोचिस्तान की मांग कर रहे हैं। कबाईली क्षेत्र जंग का मैदान बना हुआ है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि सिंध बिलोच और कबाईली क्षेत्रों में सेना निर्दोष लोगों की हत्याओं में लगी हुई है। लोगों के मौलिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। राजनीतिक रूप से पाकिस्तान की रणनीति कश्मीर को केंद्रीय मुद्दा बनाने की रही है।

पाकिस्तान में शिया और सुन्नी समुदाय में बड़े पैमाने पर दंगे होते हैं। इसका मुख्य कारण दोनों समुदायों में धार्मिक विश्वासों में अंतर का होना है। पाकिस्तान में मदरसों की संख्या बढ़ती जा रही है, जहां नौजवानों को कट्टरता की शिक्षा दी जाती है। न वे अच्छे मुसलमान बन सकते हैं और न ही अच्छे इंसान। दंगों के लिए कट्टरपंथी मुल्ला मुख्य रूप से दोषी हैं। आज अहमदियों को गैर मुस्लिम का दर्जा पाकिस्तान में दे दिया गया है। पाकिस्तान में सुन्नियों की संख्या 70 प्रतिशत है, जबकि शियाओं की 25 प्रतिशत।

पाकिस्तान में एक बार पुनः धार्मिक संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा, ताकि जो लोग आधुनिकीकरण, उदारता और क्षेत्रीय आर्थिक और औद्योगिक विकास की वकालत करते हैं, उनको खुली चुनौती दी जा सके। आधुनिकता के समर्थकों को अल्लाह विरोधी और काफिर कहकर धिक्कारा जा रहा है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों का सिलसिला थमने वाला नहीं दिखता है। अल्पसंख्यकों को संदेह की नजर से देखा जाता है। पाकिस्तान के समाचार पत्र डॉन ने लिखा है कि हिन्दुओं, ईसाइयों और अहमदियों पर होने वाले अत्याचारों और उनके साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इसके समाचार पत्र ने कई उदाहरण पेश किए गए।

पाकिस्तान के चारों प्रांतों में अलगाववादी शक्तियां सिर उठा रही हैं। एक बार पुनः इस्लामाबाद का विरोध हो रहा है और एक नए संविधान की मांग उठ रही है।

पाकिस्तान के नीति निर्धारक यह अच्छी तरह जानते हैं कि कश्मीर में आतंकवाद के मौजूदा उभार से भारत घुटने टेकने से रहा है। हां विश्व मीडिया में यह मामला कुछ देर के लिए जीवित रखा जा सकता है। जब-जब पाकिस्तान में लोकतंत्र स्थापना करने की कोशिश की गई, सेना ने उसे असफल बना दिया।

बेनजीर और नवाज शरीफ ने जब-जब भारत से बात-चीत करने की कोशिश की, पाकिस्तानी सेना ने उसे सत्ता से अलग कर दिया। पाकिस्तानी सेना नहीं चाहती कि हिन्द-पाक के रिश्ते अच्छे हों इसलिए हिन्द-पाक के बीच कटुता लगातार बढ़ रही है।

महाभारत के महाप्रसंग

भाग–700

पार्थ! यदि इस समय साक्षात् इन्द्र भी तेरे लिए युद्ध करने आयें, तो भी युद्ध में पराक्रम दिखाते हुए मुझ को किसी प्रकार की व्यथा न होगी। कुन्तीकुमार! मेरे साथ युद्ध का जो तेरा हौसला है, वह अभी–अभी प्रकट हुआ है। अतः अब मेरे साथ तेरा युद्ध होगा और आज तू मेरा बल स्वयं देख लेगा। अर्जुन बोला–राधापुत्र! अभी कुछ ही देर पहले की बात है, मेरे सामने युद्ध से पीठ दिखाकर तू भाग गया था, इसलिए अब तक जी रहा है, किंतु तेरा छोटा भाई मारा गया। तेरे सिवा दूसरा कौन ऐसा पुरुष होगा, जो अपने भाई को मरवाकर और युद्ध का मुहाना छोड़कर (भाग जाने के बाद भी) भलेमानसों के बीच में खड़ा हो ऐसी डींग मारेगा? जनमेजय! अर्जुन किसी से भी परास्त होने वाले नहीं थे। वे कर्ण से उपर्युक्त बातें कहकर कवच को भी विदीर्ण कर देने वाले बाण छोड़ते हुए उसकी ओर बढ़े। महारथी कर्ण ने बड़ी प्रसन्नता के साथ मेघ के सदृश बाणों की वृष्टि करने वाले अर्जुन को अपने सायकों की भारी बौछार करके रोका। फिर तो आकाश में सब ओर भयंकर बाणों के समूह उड़ने लगे। अर्जुन से यह सहन न हो सका, अतः उन्होंने झुकी हुई गांठ एवं तीखी नोक वाले बाण से कर्ण के घोड़ों को बींध डाला। भुजाओं में भी गहरी चोट पहुंचायी और हाथों से दस्तानों को भी पृथक–पृथक विदीर्ण कर दिया। इतना ही नहीं, कर्ण के भाथा लटकाने की रस्सी को भी काट गिराया।

इरविन खन्ना

तब कर्ण ने (अलग रखे हुए) छोटे तरकस से दूसरे बाण लेकर पाण्डुनन्दन अर्जुन के हाथ में चोट पहुंचायी। इससे उनकी मुट्ठी ढीली पड़ गयी। तब महाबाहु पार्थ ने कर्ण का धनुष काट दिया। यह देख कर्ण ने अर्जुन पर शक्ति चलायी, किन्तु पार्थ ने उसे बाणों से नष्ट कर दिया। इतने में ही राधापुत्र कर्ण के बहुत से सैनिक वहां आ पहुंचे, किन्तु अर्जुन ने गाण्डीव द्वारा छोड़े हुए बाणों से मारकर उन सबकों यमलोक भेज दिया। तत्पश्चात् वीभत्सु ने भार (शत्रुओं के आघात) सहने में समर्थ तीखे बाणों द्वारा, जो धनुष को कान तक खींचकर छोड़े गये थे, कर्ण के घोड़ों को घायल कर दिया। वे घोड़े मरकर पृथ्वी पर गिर पड़े। तत्पश्चात पराक्रमी कुन्तीकुमार ने महान् तेजस्वी तथा अग्नि के समान प्रज्वलित दूसरे बाण द्वारा कर्ण की छाती में आघात किया। वह बाण कर्ण का कवच काटकर उसके वक्षःस्थल के भीतर घुस गया। इससे कर्ण को मूर्च्छा आ गयी और उसे किसी भी बात की सुध–बुध न रही। कर्ण को उस चोट से बड़ी भारी वेदना हुई और वह युद्ध भूमि को छोड़कर उत्तर दिशा की ओर भागा। यह देख अर्जुन और उत्तर दोनों महारथी जोर–जोर से सिंहनाद करने लगे। इस प्रकार वैकर्तन कर्ण को जीतकर अर्जुन ने विराट कुमार उत्तर से कहा–सारथे! तुम मुझे इस सेना की ओर ले चलो, जिसकी ध्वजा पर सुवर्णमय ताड़ वृक्ष का चिह्न है। उस रथ पर हम सबके पितामह शान्तनुनन्दन भीष्म जी बैठे हैं। वे मेरे साथ युद्ध की इच्छा रखकर खड़े हैं। उनका दर्शन देवताओं के समान है।

– क्रमशः

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की घटनाएं

किश्त–200

* 18 फरवरी को नेताजी पाइनमाना में एक नम्बर डिवीजन और क्यौक पाण्डंग एवं पोपा में दो नम्बर डिवीज़न के सैन्य दलों का निरीक्षण करने के लिए पाइनमाना पहुंचे। शाहनवाज़ खान अपनी पुस्तक में लिखते हैं, उस समय एक नम्बर डिवीज़न के अधिकांश अफसर एवं जवान शारीरिक रूप से अस्वस्थ थे एवं मात्र 20 प्रतिशत के पास ही हथियार थे। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि काफी समय के लिए यह डिवीज़न किसी अभियान में भाग लेने के काबिल नहीं है। उस समय मोर्चे पर स्थिति बड़ी उलझनभरी थी। शत्रु सेना कई स्थानों से इरावदी नदी पार करने के बाद मिंगयान, पाकोकउ, न्यांगू और पागान पर भारी लड़ाई लड़ रही थी और मेकटिला जो जापानियों की रेल एवं सड़क संचार का महत्त्वपूर्ण केंद्र था, पर पूरा दबाव डाल रही थी कि किसी प्रकार वह उसके कब्जे में आ जाए। 20 फरवरी शाम को नेताजी अपने दल, जिसमें उनका व्यक्तिगत स्टाफ और अंगरक्षक के रूप में 20 शस्त्रधारी सैनिक थे, उस समय मेकटीला में थे, पोपा जाना चाहते थे जहां भयंकर युद्ध हो रहा था, परन्तु सैनिक अफसरों एवं साथियों ने उन्हें यह विचार त्यागने के लिए मना लिया। बाद में नेताजी जनरल शाहनवाज़ खान के साथ रंगून लौट आए।

* 27 फरवरी को पाइनमाना को अखिरी दम तक बचाना सम्भव नहीं हो पाया। चारों ओर से जापानी सेना की पराजय का समाचार था। नेताजी अपने सलाहकारों के परामर्श पर 24 अप्रैल शाम को रंगून से सड़क के रास्ते बैंकाक के लिए रवाना हुए। तीन सौ-मील लम्बी इस कठिन यात्रा में उनके साथ आजाद हिन्द फौज के मंत्री, इंडियन इन्डीपेन्डन्स लीग मुख्यालय का स्टाफ, झांसी रानी रेजीमेन्ट की लगभग 100 महिला सैनिक, 100 असैनिक पदाधिकारी और आजाद हिन्द फौज के 3000 जवान थे। तीन सप्ताह के पश्चात मौलमीन के रास्ते 14 मई को नेताजी बैंकाक पहुंचे। इस बीच 3 मई को रंगून ने ब्रिटिश भारतीय सेनाओं के सामने आत्म समर्पण कर दिया जबकि आजाद हिन्द फौज ने पेगू में अन्तिम लड़ाई लड़ते हुए 13 मई को हथियार डाल दिए। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी ने भी मित्र राष्ट्रों की सेना के आगे 7 मई को बिना किसी शर्त के घुटने टेक दिए।

* मई मास में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच बनी खाई को पाटने के नये प्रयास आरम्भ हुए। कांग्रेस नेता भूलाभाई देसाई और मुस्लिम लीग के नेता लियाकत अली के बीच केंद्र में अस्थाई राष्ट्रीय सरकार का गठन करने के संबंध में एक समझौता हुआ कि ऐसी सरकार में 40 प्रतिशत कांग्रेस के, 40 प्रतिशत मुस्लिम लीग के तथा शेष 20 प्रतिशत अन्य गुटों के प्रतिनिधि होंगे।

– क्रमशः

कैंसर के रोगी व मृतक बढ़े

हैल्थ अलर्ट

चिकित्सा संसाधनों के विकास के बाद भी भारत में कैंसर के रोगी एवं इससे मृत लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बीमारी के बारे में इतने अधिक प्रचार के बाद भी इस बीमारी को लेकर जनजागरूकता में अभी भी बहुत कमी है। यहां सर्वाधिक संख्या में मुख कैंसर के रोगी हैं। उनकी मौत भी ज्यादा हो रही हैं।

दूसरे स्थान पर स्तन कैंसर के रोगी है जिनकी संख्या मुख कैंसर पीड़ितों से आधी है।

तीसरे स्थान पर फेफड़े के कैंसर से पीड़ित हैं। वही मुख कैंसर को पनपाने वाले कारणों की उपलब्धता बहुत ज्यादा है। यहां की सरकार इसके ज्ञात कारणों पर प्रतिबंध लगाने में नाकामयाब है। यहां तंबाकू, गुड़ाखू, पान, सुपारी, गुटका आदि जैसी चीजें जो मुख कैंसर पनपाती है, वे सर्वत्र आसानी से उपलब्ध हैं।

भीतर गहराई से जोड़ता है ध्यान

जीवन दर्शन

यदि व्यक्ति केवल शिक्षित है और प्रबंधन में योग्य नहीं है तो वह लगभग घर ही बैठा रहेगा। ऐसे अनेक पढ़े-लिखे लोग हैं, जिनकी योग्यता पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन यदि उनमें प्रबंधकीय कौशल नहीं है तो वह शिक्षा ऐसी होगी जैसे रेफ्रिजरेटर में रखा हुआ भोजन जो सुरक्षित है, लेकिन उसमें ताजगी नहीं है। दूसरा पक्ष यह है कि कुछ लोग बहुत अच्छे प्रबंधक होते हैं, लेकिन शिक्षा के मामले में थोड़े कमजोर हैं। ऐसे लोगों के परिणाम में क्वालिटी, गहराई नहीं होगी तथा वे दूरगामी नहीं होंगे। कुछ लोग ऐसे भी हैं कि शिक्षा और प्रबंधन दोनों मिलने के बाद भी, सफलता का दृश्य दिखने के बाद भी यदि असफल जैसे लगते हैं तो इसका मतलब है हम केवल बाहर टिककर शिक्षा और प्रबंधन का उपयोग कर रहे हैं।

प्रबंधन में शक्ति है, शिक्षा में समझ है। प्रबंधन के पास क्रियाशीलता है, शिक्षा के पास विचार हैं। इसलिए शिक्षित व्यक्ति को यह समझ जरूर होनी चाहिए कि जो शक्ति उसे प्रबंधन से मिल रही है वैसी ही ईश्वरीय शक्ति, आध्यात्मिक ऊर्जा उसके भीतर है और प्रबंधन का उसको यह उपयोग करना चाहिए कि भीतर की शक्ति को चार भागों में बांट लें। शारीरिक, मानसिक, नैतिक और व्यावसायिक। तब भीतर की शक्ति बाहर अद्भुत परिणाम देगी। अभी हम भीतर की शक्ति का उपयोग ही नहीं कर पाते। जैसे ही आप संसार प्रदत्त शक्ति और ईश्वर द्वारा दी गई शक्ति का अंतर समझेंगे, आपकी काम करने की क्षमता ही बदल जाएगी। अध्यात्म कहता है थोड़ा-सा अपनी आत्मा के निकट बैठिए। इसलिए कुछ समय मेडिटेशन जरूर कीजिए। यह किसी मोक्ष, पाप-पुण्य का मामला नहीं है। ध्यान आपको गहरे में अपने भीतर जोड़ेगा और आपकी शक्ति चार भागों में ठीक से बंट जाए इसमें मदद करेगा।

आईपीएल का 11वां संस्करण : राजीव शुक्ला ने दिया सुझाव, रात आठ के बजाय शाम सात बजे से शुरू हो सकते हैं मैच

दो नए बदलाव की तैयारी में बीसीसीआई

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी 11वें संस्करण के मैच रात आठ बजे के बजाय अब एक घंटे पहले शाम सात बजे से शुरु हो सकते हैं। आईपीएल के 2008 में शुरु होने के बाद से अब तक शाम के मैच रात आठ बजे से शुरु होते आ रहे हैं। लेकिन अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आगामी सत्र के मैच की समय सारणी में बदलाव करने के मूड में हैं। आईपीएल के चेयरमैन राजीव शुक्ला ने आम परिषद बैठक में लीग के शाम के मैचों को जल्दी शुरु कराने का विचार दिया है। आईपीएल की फ्रेंचाइजियों ने शुक्ला के इस विचार का स्वागत किया है लेकिन इसे अंतिम रूप देने से पहले प्रसारणकर्ताओं की मंजूरी लेना होगा। प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स अगर बीसीसीआई के इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे देता है तो लीग के 11वें संस्करण के मैच अब सात बजे से शुरु हो सकते हैं। शुक्ला ने कहा कि आईपीएल-11 के मैचों को शाम सात बजे से शुरु करने पर विचार किया गया है और सभी ने इसका स्वागत किया है। लेकिन इसके लिए प्रसारणकर्ताओं की मंजूरी लेने के लिए हमें उनसे बात करनी होगी। मामले से जुड़ी सभी बिंदुओं पर विचार किया गया है। हम सबने लीग के मैचों को जल्दी कराने पर गहनता से विचार विमर्श किया है। शाम के मैच अगर एक घंटे पहले से शुरु होते हैं तो चार बजे वाले मैच पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि इस पूरे मामले पर गेंद अभी प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स के पाले में हैं। आईपीएल की कार्यकारिणी की बैठक अगले गुरुवार को होनी है जिसमें लीग के समय के बारे में कोई फैसला लिये जाने की संभावना है। आईपीएल चेयरमैन ने कहा कि सभी आईपीएल मालिकों ने इस पर अपनी सहमति जताई है। आगामी कार्यकारिणी की बैठक में सभी बातों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईजेपीएल ने अपना नाम बदलकर किया आईएसपीएल

नई दिल्ली। देश में ग्रास रूट स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई इंडियन जूनियर प्लेयर्स लीग (आईजेपीएल) ने अपने नए सत्र के लिए अपना नाम बदलकर इंडियन स्कूल प्लेयर्स लीग (आईएसपीएल) कर दिया है। आईजेपीएल ने अपने नए सत्र के लिए खुद को भारतीय स्कूल खेल महासंघ (एसजीएफआई) के साथ जोड़ा है। एसजीएफआई के आग्रह पर ही आईजेपीएल ने अपने नाम से जूनियर हटाकर उसमें स्कूल जोड़ा है। आईजेपीएल के पिछले सत्र का ग्रैंड फिनाले दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित हुआ था जिसके बाद बीसीसीआई ने एक बयान जारी कर चेतावनी दी थी कि अंडर वर्ग के जो खिलाड़ी आईजेपीएल से जुड़ेंगे उन्हें बीसीसीआई के टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इंडियन स्कूल प्लेयर्स लीग टैलेंट हंट एसजीएफआई और आईजेपीएल स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की संयुक्त पहल है।

वेतन और कार्यक्रम पर सीओए और टीम प्रबंधन में सहमति

नई दिल्ली। बीसीसीआई का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति (सीओए) और भारतीय टीम प्रबंधन के बीच खिलाड़ियों के वेतन और मैचों के कार्यक्रम को लेकर सहमति बन गई है। भारतीय कप्तान विराट कोहली, पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और टीम के प्रमुख कोच रवि शास्त्री ने सीओए के अध्यक्ष विनोद राय से गुरुवार को यहां मुलाकात की जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस बातचीत का मुख्य एजेंडा क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाने की मांग और साल भर में मैचों का कार्यक्रम था। विराट ने हाल ही में क्रिकेटरों का सालाना वेतन बढ़ाने की मांग उठाई थी और साथ ही दक्षिण अफ्रीका के महत्वपूर्ण दौरे के लिए पर्याप्त तैयारी समय न मिलने पर नाराजगी भी जताई थी। विनोद राय ने बैठक के बाद कहा कि यह बहुत ही सौहार्दपूर्ण बैठक थी। टीम प्रबंधन ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी बातों और सिफारिशों को सामने रखा। हमें लगता है कि हम एक ही दिशा की तरफ अग्रसर है और खेल की बेहतरी के लिए हमारे विचार मिल रहे हैं। चाहे बात खिलाड़ियों के वार्षिक वेतन की हो या फिर भविष्य दौरा कार्यक्रम में मैचों की संख्या को लेकर हो। विनोद राय ने कहा कि हमने मैचों की संख्या, भविष्य दौरा कार्यक्रम और खिलाड़ियों के वेतन पर विस्तार से बातचीत की। बातचीत काफी अच्छी रही और मुझे लगता है कि खिलाड़ी अपनी मांग में सही भी हैं।

उन्हें विश्राम की जरुरत है। भविष्य दौरा कार्यक्रम पर हम उनसे सहमत हैं और इस बात को देखेंगे कि उन्हें पर्याप्त विश्राम मिले। सीओए के अध्यक्ष ने कहा कि जहां तक खिलाड़ियों के वार्षिक वेतन की बात है तो उसे भी ठीक किया जाएगा।

न्यूज

पूर्व महिला क्रिकेटर और कोच श्रीरुपा का निधन

कोलकाता। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर और कोच श्रीरुपा बोस मुखर्जी का गुरुवार को यहां दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 65 वर्ष की थीं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह सुबह बाथरूम में बेहोशी की हालत में पाई गई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके परिवार में पति परेश नाथ मुखर्जी और पुत्री टेनिस खिलाड़ी अमृता मुखर्जी है। आलराउंडर श्रीरुपा घरेलू क्रिकेट चैंपियनशिप में बंगाल टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी थीं।

स्मिथ से निपटने के लिए एंडरसन का प्लान-बी

ऐडिलेड। एशेज सीरीज के पहले टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ को रोक पाने में ना कामयाब रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने गुरुवार को कहा कि उनके पास दूसरे टेस्ट मैच में स्मिथ के खिलाफ दूसरी रणनीति तैयार है। एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच शिनवार से शुरू होगा। एंडरसन ने कहा कि मुझे लगाता है कि आपको उनको गेंदबाजी करते हुए उन्हें पिक्चर से बाहर कर देना चाहिए।

आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप ट्राफी लांच

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड में अगले वर्ष होने वाले आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप की ट्राफी गुरुवार को लांच कर दी गई। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी डेविड रिचर्डसन, न्यूजीलैंड के खेल मंत्री ग्रेंट रोबर्टसन, न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रमुख कार्यकारी डेविड व्हाइट और टूर्नामेंट के ब्रांड एम्बेसेडर कोरी एंडरसन ने ट्राफी लांच की।

घर में पहली चुनौती के लिए जमशेदपुर तैयार

जमशेदपुर। चौथे सीजन के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में पदार्पण कर रही जमशेदपुर एफसी टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान-जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स स्टेडियम में दो बार की चैम्पियन एटीके के साथ दो-दो हाथ करेगी। पहली बार लीग में उतरने के बावजूद जमशेदपुर एफसी के खाते में एटीके से एक अंक अधिक है। जमशेदपुर एफसी ने अब तक चौथे सीजन में दो मैच खेले हैं और उसे हार नहीं मिली है। उसे नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और केरल ब्लास्टर्स एफसी को उनके घर में बराबरी पर रोका है। यह इस नई नवेली टीम के लिए शानदार सफलता कही जा सकती है और इसी के दम पर वह अपने घर में पूरे उत्साह के साथ पहली बार एटीके का सामने करेगी।

स्टोक्स न्यूजीलैंड की टीम कैंटेबरी से जुड़े

क्राइस्टचर्च। विवादों में घिरे इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स गुरुवार को न्यूजीलैंड की घरेलू टीम कैंटेबरी क्रिकेट संघ से विदेशी खिलाड़ी के रूप में जुड़ गए हैं। स्टोक्स को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट संघ (ईसीबी) ने घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) दे दी थी। वह कैंटेबरी से फोर्ड ट्रॉफी में रविवार को ओटागो के खिलाफ खेलेंगे। कैंटेबरी के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि बेन स्टोक्स हमारी टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुभव लेकर आएंगे जो ड्रेसिंग रूम में हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद होगा।

अल-अमीन का गेंदबाजी एक्शन शक के घेरे में

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज अल-अमीन हुसैन का गेंदबाजी एक्शन संदिग्ध पाया गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के अधिकारी ने बताया कि लीग के एक मैच के दौरान अल अमीन का गेंदबाजी एक्शन संदिग्ध पाया गया है। उन्होंने कहा कि अब आईसीसी के नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी और 14 दिन फिर से उनके एक्शन की जांच समीक्ष की जाएगी।

भारत और श्रीलंका के बीच दो दिसंबर से खेला जाएगा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच

विश्व रिकॉर्ड से विराट सेना एक कदम दूर

नई दिल्ली(एजेंसी)। विजय रथ पर सवार विश्व की नंबर एक भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के लगातार नौ सीरीज जीतने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज एक कदम दूर है। कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को दो दिसंबर से यहां फिरोजशाह कोटला मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच खेलना है। मेजबान भारतीय टीम नागपुर में हुए दूसरे टेस्ट को पारी और 239 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए हुए हैं। कोटला के रिकॉर्ड को देखकर ऐसा लगता है कि टीम इंडिया लगातार नौ सीरीज जीतकर आस्ट्रेलिया के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगी। आस्ट्रेलिया की टीम ने 2005 से 2008 के बीच में लगातार नौ सीरीज जीती थी। फिरोजशाह कोटला मैदान पर भारत पिछले 30 वर्षों से अपराजेय रहा है। श्रीलंका सीरीज के बाद भारत को अगले वर्ष जनवरी में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना है जहां उसे तेज और उछाल भरी पिचों का सामना करना होगा। कप्तान विराट खुद खिलाड़ियों को इस बात का संकेत दे चुके हैं कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका में मिलने वाली कड़ी चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। विराट ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की पिचों को देखते हुए ही हमने ऐसी पिचें तैयार करने के लिए कहा है जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो। तैयारी के लिए हमारे पास अब ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए हमें इसका इस्तेमाल करना होगा।

विराट बन सकते हैं देश के दूसरे सफल कप्तान

29 साल के विराट भारत के दूसरे सबसे सफल कप्तान बनने से एक जीत दूर हैं और अब वह अपने घरेलू दिल्ली मैदान में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट अपनी कप्तानी में 31 टेस्टों में से 20 टेस्ट जीत चुके हैं और सौरभ गांगुली की बराबरी करने से एक कदम दूर हैं। गांगुली ने 49 टेस्टों में भारत की कप्तानी की थी और 21 मैच जीते थे। गांगुली ने 13 टेस्ट हारे थे और 15 टेस्ट ड्रा कराये थे जबकि विराट ने अब तक सिर्फ तीन टेस्ट हारे हैं और आठ टेस्ट ड्रा कराए हैं। भारत में सर्वाधिक टेस्ट जीतने का रिकॉर्ड महेंद्र सिंह धोनी के नाम हैं जिन्होंने 60 मैचों में 27 जीते हैं। विराट की कप्तानी में भारत ने कोटला में खेले गए पिछले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम को 337 रन के विशाल अंतर से हराया था।

सौ वनडे खेलने वाली महिला खिलाड़ी अंजुम का सम्मान

भारत-श्रीलंका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मैच दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर होना है। इससे पहले डीडीसीए ने वर्ल्ड कप खेलने वाले 6 खिलाड़ियों का सम्मान किया। इसमें अंजुम चोपड़ा भी शामिल हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा के नाम पर बुधवार को फिरोजशाह कोटला स्टेडियम के गेट नंबर तीन और चार को नाम दिया गया। अंजुम ने बुधवार को इसका अनावरण किया। अंजुम ने छह विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह भारत की तरफ से 100 वनडे खेलने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। 40 वर्षीय अंजुम ने कहा कि दिल्ली ने कई दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी दिए हैं और डीडीसीए द्वारा मुझे इस लायक समझना सम्मान की बात है।

शारापोवा को मैच के बीच में मिला शादी का प्रस्ताव

इस्तांबुल। पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा भले ही कितने ही विवादों में रहें लेकिन टेनिस सुंदरी के दुनियाभर में प्रशंसकों की कमी नहीं है और यहां एक प्रदर्शनी मैच में तो उन्हें कोर्ट पर खेलते हुए ही शादी का प्रस्ताव भी मिल गया। डोपिंग में निलंबन के बाद इस वर्ष वापसी कर चुकीं शारापोवा अधिकतर टूर्नामेंटों में वाइल्ड कार्ड के भरोसे खेल रही हैं। हालांकि इसका उनके प्रशंसकों पर कोई असर नहीं पड़ा है। तुर्की की राजधानी में एक प्रदर्शनी मैच के दौरान जब वह घरेलू खिलाड़ी काग्ला बुयुकाकेय के खिलाफ खेल रही थीं तभी स्टेडियम में बैठे प्रशंसकों में से किसी ने चिल्ला कर उन्हें शादी का प्रस्ताव दे डाला। अगले सत्र की तैयारियों में जुटी शारापोवा जब कोर्ट पर थीं और सर्व के लिये तैयार ही हो रही थीं तो एक प्रशंसक ने चिल्लाते हुये कहा कि शारापोवा विल यू मैरी मी। हालांकि इस पर रूसी खिलाड़ी रूक गयीं और उन्होंने धीमी आवाज में कहा शायद फिर उन्होंने उस प्रशंसक की ओर देखा और चेहरे पर हाथ रखकर सिर हिला दिया।

वर्ल्ड लीग : आस्ट्रेलिया-भारत और जर्मनी-इंग्लैंड के बीच मुकाबला आज

आठ टीमें हॉकी की जंग के लिए तैयार

भुवनेश्वर। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ आठ टीमें शुक्रवार से यहां शुरु हो रहे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल में खिताब जीतने के लिए तैयार हो चुकी हैं। ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना, विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया, मेजबान भारत, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, हॉलैंड और स्पेन एफआईएच की विश्व रैंकिंग में टॉप-10 के अंदर हैं और हॉकी प्रेमियों को कलिंगा स्टेडियम में जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। टूर्नामेंट के पहले दिन एक दिसंबर को जर्मनी का मुकाबला इंग्लैंड से होगा और आस्ट्रेलिया का मुकाबला भारत से होगा। ये दोनों मैच पूल-बी के हैं। जर्मनी-इंग्लैंड मैच 4:45 बजे से और भारत आस्ट्रेलिया मैच 7:30 बजे से खेला जाएगा। पूल-बी की इन चार टीमों के अलावा पूल ए में अर्जेंटीना, बेल्जियम, हालैंड और स्पेन हैं। दो दिसंबर को अर्जेंटीना-बेल्जियम (12 बजे), हालैंड-स्पेन (दो बजे), जर्मनी-आस्ट्रेलिया (5:30 बजे) और भारत-इंग्लैंड (7:30 बजे) के मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट के मैच यहां कलिंगा स्टेडियम में खेले जाएंगे और विजेता को अगले वर्ष होने वाली पुरुष चैंपियंस ट्राफी में सीधे प्रवेश मिल जाएगा। चैंपियंस ट्राफी जून-जुलाई में हालैंड में होनी है। इस टूर्नामेंट में विश्व रैंकिंग अंक भी दाव पर होंगे जिससे टीमों को अपनी स्थिति सुधारने का मौका मिलेगा। पूल ए में अर्जेंटीना की रैंकिंग एक, बेल्जियम की तीन, हालैंड की चार और स्पेन की नौ हैं जबकि पूल बी में आस्ट्रेलिया की रैंकिंग दो, जर्मनी की पांच, भारत की छह और इंग्लैंड की सात है। राउंड रोबिन मैच खेलने के बाद दोनों ग्रुप की चारों टीमें क्रास क्वार्टरफाइनल खेलेंगी।

प्री क्वार्टर फाइनल में बार्सिलोना

बार्सिलोना । तीन बार के किंग्स कप चैंपियन बार्सिलोना ने रियाल मूर्सिया को 5-0 से पराजित कर कोपा डेल रे कप फुटबाल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में आसानी से जगह बना ली जबकि रियाल सोसिदाद और एथलेटिक बिलबाओ को थर्ड डिवीजन क्लब ने हराकर बाहर कर दिया। बार्सिलोना ने इसी के साथ 8-0 के औसत के साथ प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। स्पेनिश क्लब ने अपने पहले चरण के मैच में 3-0 से जीत दर्ज की थी। स्पेनिश स्ट्राइकर पाको एलासेर ने बार्सिलोना के लिए ओपनिंग गोल किया और 16वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद गेरार्ड पिक ने 11 मिनट बाद टीम के लिए दूसरा और एलेक्सिस विदाल ने हैडर से तीसरा गोल किया। डेनिस सुआरेज़ ने फिर चौथा और टीम के रिजर्व खिलाड़ी जोस अर्नाएज ने पांचवां गोल किया। बार्सिलोना कोच वेलेंशिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलने वाली टीम में बार्सिलोना के कोच एर्नेस्टो वालवेर्दे ने नौ बदलाव किये थे।

ऑल इंडिया एथलेटिक्स एवं इंडोर गेम्स का शुभारंभ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का आयोजन

भोपाल। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ऑल इंडिया एथलेटिक्स एवं इंडोर गेम्स का भव्य शुभारंभ गुरुवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया साई में हुआ। गेम्स का शुभारंभ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त व्हीपी जॉय द्वारा किया गया। जिसमें भविष्य निधि संगठन के भारत के लगभग सभी राज्यों से आई टीमों ने भाग लिया। दो दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में इंडोर गेम में बेडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम के साथ एथलेटिक्स में 100 मी. 400मी 1500 मी. दौड़, बाधा दौड़, जेवेलिन थ्रो, डिस्क थ्रो, शॉर्ट पुट आदि खेलों में लगभग भारत की 23 क्षेत्रीय टीमों ने हिस्सा लिया है। जिनके लगभग 400 खिलाड़ी भोपाल आए हुए हैं। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्र के अतिरिक्त केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त एसके अग्रवाल और भोपाल कार्यालय प्रमुख संजय केसरी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। इस अवसर पर अपर केन्द्रीय भविष्य निधि कार्यालय भोपाल से एसके सुमन, जगदीश तांबे एवं मध्यप्रदेश क्षेत्र से आए इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, रायपुर के सभी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपस्थित थे।

मैच के परिणाम

प्रतियोगिता का नाम	विजेता
पुरूष शतरंज	तेलंगाना
पुरूष टेबल टेनिस सिंगल	महाराष्ट्र
महिला टेबल टेनिस सिंगल	महाराष्ट्र
मिक्स डबल टेबल टेनिस	महाराष्ट्र
पुरूष एकल बेडमिंटन	तमिलनाडू
पुरूष डबल बेडमिंटन	तमिलनाडू
महिला एकल बेडमिंटन	तमिलनाडू
पुरूष लॉग जंप	कर्नाटका
महिला लॉग जंप	महाराष्ट्र
महिला शॉट पुट	कर्नाटका
पुरूष शॉट पुट	महाराष्ट्र
100 मीटर दौड़ महिला	महाराष्ट्र
800 मीटर दौड़ पुरूष	तमिलनाडू

अकादमी के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने खेल मंत्री से की भेंट

भोपाल। 24 से 26 नवंबर तक जम्मु में आयोजित 36वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक जीतने वाले खिलाड़ियो ने खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया से भेंट कर उन्हें इस उपलब्धि से अवगत कराया। इस उपलब्धि पर खेल मंत्री ने विजेता खिलाड़ियों बधाई देते हुए कहा कि अकादमी के खिलाड़ियों ने मेहनत और अपने लक्ष्य के प्रति जूनुन से हर बाधा को पार कर अपना, प्रदेश व देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखवाया है। चैम्पियनशिप में अकादमी की खिलाड़ी लतिका भण्डारी ने-53 किलोग्राम भारवर्ग में एक स्वर्ण पदक अर्जित किया है। इसी तरह अकादमी के खिलाड़ी विजयशांत कुमार ने पुमसे इवेन्ट के न्यू स्टाईल तथा फ्री स्टाईल स्पर्धा में एक रजत और एक कांस्य पदक अर्जित किया।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह आज आएंगे सूरत में

सूरत। गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह कल शनिवार को सूरत दौरे पर है। पूर्व पीएम सूरत के साइंस सेन्टर में प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठक करेंगे। बाद में पत्रकार परिषद को सम्बोधित करेंगे। सूरत कांग्रेस व प्रदेश कांग्रेस नेताओं के बीच चल रही गुटबंदी के चलते कल पूर्व पीएम मनमोहनसिंह के कार्यक्रम में स्थानिय नेताओं नजरअंदाज किया गया है। स्थानिय नेताओं को पीएम के कार्यक्रम में स्थान तो मिलेगा परंतु किसी भी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की जाएगी। गुजरात की बाहरी टीम द्वारा राहुल के कार्यक्रम को सफल बनाया था उसी स्टेटजी मनमोहनसिंह के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनाइ जा रही है। गुजरात विधानसभा के चुनाव प्रचार के लिए पूर्व पीएम मनमोहनसिंह कल सूरत के दौरे पर है। पीएम सूरत के साइंस सेन्टर में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद पीएम ताज होटल में पत्रकार परिषद को सम्बोधित करेंगे। सूरत के इस कार्यक्रम स्थानिय नेताओं को शामिल नहीं करने की कांग्रेस में चर्चा चल रही है। गुजरात के बाहर से आ रही टीम ने ही मनमोहनसिंह के कार्यक्रम का आयोजन किया है। 12 उम्मीदवारों को उपस्थित रखने के लिए सूची मांगी गई है। स्थानीय नेताओं से सूची मंगवाई गई थी परंतु पूर्व पीएम के कार्यक्रम में शहर के के किसी भी नेताओं का सीधे इन्वोलमेन्ट नहीं किया गया। कांग्रेस में चल रही चर्चा के मुताबिक प्रदेश प्रभारी अशोक गेहलोत व गुजरात की बाहरी टीम ही समग्र कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। राहुल गांधी के कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं को नजरअंदाज कर कार्यक्रम को सफल बनाया इसी तरह पूर्व पीएम के कार्यक्रम को सफल बनाया जाएगा। चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के सांसद व विभिन्न राज्यों के नेता सूरत आते है तो उनकी पत्रकार परिषद के साथ साथ किसी क्षेत्र में जनसभा का आयोजन किया जाता है, परंतु कल पूर्व पीएम की कोई जनसभा का आयोजन नहीं किया गया। हाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की लहर होने के बावजूद कांग्रेस में चल रहे गुटबंदी के चलते राहुल की सभा के अलावा किसी भी नेता की जनसभा में भीड़ जुट नहीं रही।

अमित शाह जैन होकर खुद को हिन्दू बता रहे हैं : राज बब्बर

सूरत। कांग्रेस नेता राज बब्बर ने आज भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर बड़ा हमला किया। राज बब्बर ने कहा कि अमित शाह धर्म से जैन होने के बावजूद खुद को हिन्दू बताते हैं। राज बब्बर की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी की सोमनाथ यात्रा से उत्पन्न विवाद के बाद आई है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने सूरत आए राज बब्बर ने राहुल गांधी का सोमनाथ मंदिर विवाद में बचाव किया और कहा कि राहुल गांधी शिवभक्त हैं और लंबे समय तक शिव की पूजा की है। सोमनाथ की यात्रा से पहले भी राहुल गांधी ने कहा था कि वे उनका परिवार शिवभक्त है। लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए राहुल गांधी कभी धर्म का उपयोग नहीं करते। राज बब्बर ने कहा कि अमित शाह खुद को हिन्दू बताते हैं, जबकि वे धर्म से जैन हैं। रहा राहुल गांधी का प्रश्न तो वे शिव भक्त हैं और उनकी दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी भी रूद्राक्ष पहनती थीं। गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी सोमनाथ मंदिर में दर्शन करने गए थे। जहां उनका नाम गैर हिन्दू रजिस्टर में दर्ज किया गया था और इस मुद्दे को लेकर गुजरात समेत देशभर की राजनीति गरमा गई थी। कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की साजिश करार दिया था।

मोदी ने नहीं सूरत ने दिया उत्तर भारतीयों को रोजगार : राज बब्बर

सूरत (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बोलीवुड अभिनेता राज बब्बर ने आज यहां पत्रकार परिषद में कहा कि उत्तर भारतीयों को मोदी सरकार नहीं बल्कि सूरत ने रोजगार दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीयों के लिए सूरत पवित्र धरती है। राज बब्बर ने मोदी से सवाल किया कि वे स्वयं को गुजरात का बेटा कहते हैं, यदि ऐसा है तो गुजरात में उनका विरोध क्यों हो रहा है। गुजरात का प्रत्येक वर्ग पाटीदार, दलित और ओबीसी मोदी सरकार पर सवाल उठा रहा है। जो विकास के मुद्दे के बजाए धर्म के मुद्दे को अहमियत दे रहे हैं। भाजपा नेताओं को आड़े हाथ लेते हुए राज बब्बर ने कहा कि दुष्कर्म की 90 फीसदी घटना में भाजपा के लोग शामिल हैं। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 15 हजार से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसानों के आत्महत्या का उल्लेख पीएम मोदी अपनी सभा में क्यों नहीं करती। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने चिमन पटेल और आनंदीबेन पटेल का राजनीतिक कैरियर खत्म कर दिया। जीएसटी के सवाल पर राजबब्बर ने कहा कि कांग्रेस का एक भी सुझाव पीएम मोदी ने स्वीकार नहीं किया।

नेनो प्रोजेक्ट पर टाटा मोटर्स ने दिया राहुल गांधी को जवाब

रु. 584.4 लोन ली थी, जिसका करार के मुताबिक भुगतान करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। टाटा मोटर्स ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को नेनो प्रोजेक्ट को लेकर किए जा रहे कुप्रचार का जवाब देते हुए कहा कि उसे केवल 584.8 करोड़ रुपए मिले हैं और वह ऋण के तौर पर अनुदान के रूप में नहीं। इस ऋण का सरकार से हुए करार के मुताबिक भुगतान भी किया जाएगा। गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अनेक रैलियों में पीएम मोदी समेत भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने राज्य के किसानों की जमीन, पानी और सरकार की ओर से रु. 3500 करोड़ नेनो प्रोजेक्ट को दिया था और इससे गुजरात की जनता को कोई फायदा नहीं हुआ। राहुल गांधी के इन आरोपों का टाटा मोटर्स ने एक बयान जारी कर जवाब दिया है कि हमें केवल 584.4 करोड़ रुपए मिले थे और वह भी ऋण के रूप में न कि अनुदान के तौर पर। टाटा मोटर्स के मुताबिक गुजरात सरकार ने जिस प्रकार निवेश के अनुकूल माहौल बनाया था, उसे देखते हुए हमने साणंद में उत्पादन इकाई शुरू की थी। कंपनी का लक्ष्य इसे लंबे समय तक चलाकर इसे एक बड़े मेन्यूफेक्चरिंग हब की तौर पर स्थापित करना था। जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति बेहतर हो और देश के लिए नेनो एक बड़ा प्रोजेक्ट साबित हो। टाटा मोटर्स ने कहा कि हमने कुल 584.8 करोड़ रुपए बतौर ऋण गुजरात सरकार से लिए थे और उसका भुगतान भी किया जाएगा। इस योजना की विशालता और क्षमता को देखते हुए गुजरात सरकार ने टाटा मोटर्स को यह पैकेज लोन के तौर पर दिया था तथा राज्य सरकार के साथ हुए करार के मुताबिक उसका भुगतान भी किया जाएगा। टाटा मोटर्स को जो ऋण दिय गया है वह कंपनी की ओर से भुगतान किए गए टेक्स से दिया गया है। टाटा मोटर्स ने दावा किया कि साणंद प्रोजेक्ट से काफी रोजगार सृजन हुए हैं और ऑटो सेक्टर में रोजगार देने में गुजरात देश में सबसे आगे है। गौरतलब है कि गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरकार और उनकी नीतियों पर हमले करते हुए कई दफा कहा है कि पीएम मोदी ने किसानों की जमीन, पानी, बिजली और 3500 करोड़ रुपए नेनो प्रोजेक्ट के लिए दे दिआ। नेनो प्रोजेक्ट के लिए दी गई रकम नरेन्द्र मोदी की नहीं बल्कि जनता की थी। राहुल ने कहा था कि रु. 3500 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यूपीए सरकार ने 3300 करोड़ रुपए मनरेगा के लिए आवंटित किए थे और उससे देश के लाखों लोगों को रोजगार मिला था।

चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। पास संयोजक हार्दिक पटेल ने आज आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। बगैर अनुमति रैली आयोजित करने के संदर्भ में एक के बाद एक मामले दर्ज होने पर हार्दिक पटेल ने भाजपा को आडे हाथ लिया। गुजरात विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण फेक्टर बन चुके हार्दिक पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग गुजरात के सत्तारूढ़ दल भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि राजकोट की सभा के बाद चुनाव आयोग ने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने जनसभा कर कुछ गलत नहीं किया। हमने सभा के लिए चुनाव आयोग से मंजूरी मांगी थी, लेकिन उसने दी हुई मंजूरी रद्द कर दी। भाजपा के कहने पर उनकी सभा की मंजूरी रद्द की गई, जिसका जवाब गुजरात की जनता चुनाव में देगी। गौरतलब है कि गांधीनगर के माणसा में बिना अनुमति सभा आयोजित करने पर हार्दिक पटेल समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद 29 नवंबर को हार्दिक पटेल ने राजकोट के नाना मवा चौक में बिना अनुमति रैली की थी। इस मामले में राजकोट की मालवियानगर पुलिस ने निर्वाचन अधिकारी की शिकायत पर हार्दिक पटेल समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा जामनगर में भी बिना मंजूरी सभा करने का मामला भी हार्दिक पटेल के खिलाफ दर्ज हुआ है।

राफेल सौदे में भाजपा सरकार ने किया भ्रष्टाचार : रणदीप सूरजेवाला

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सूरजेवाला ने आज भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह राष्ट्रहित और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। अहमदाबाद में पत्रकार परिषद में रणदीप सूरजेवाला ने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों की खरीदी में बड़े घोटाले की बू आ रही है। सरकारी खजाने को होनेवाले भारी नुकसान की गंभीर आशंकाओं के सार्वजनिक होने के बाद मोदी सरकार इस पूरे मामले में इरादातन खामोश है। उन्होंने कहा कि लड़ाकू विमान भारत में बनाने की डील हुई थी, इसके बावजूद भाजपा सरकार महंगी कीमत पर फ्रांस राफेल विमान क्यों खरीद रही है। राफेल सौदे में कई अनिमियतताएं सामने आए हैं। युद्धक विमानों की खरीदीमें सबसे बड़ा घपला हुआ है और भाजपा सरकार मौन धारण किए हुए है। राफेल की खरीदी में पारदर्शिता नहीं दिखाई देती। भाजपा सरकार निजी कंपनियों का फायदा कराना चाहती है। वर्ष 2014 में 108 युद्धक विमान खरीदने का फैसला किया गया था। जिसकी कीमत 10.2 बिलियन डोलर बताई गई थी। वर्ष 2016 में 36 राफेल विमान खरीदने का निर्णय हुआ और इसकी कीमत 8.7 बिलियन डोलर बताई गई। उन्होंने सवाल किया कि आखिर क्यों भाजपा सरकार इतनी बड़ी कीमत चुकाकर युद्धक जहाज खरीदना चाहती है। जबकि लड़ाकू विमान भारत में बनाने की डील हुई थी। इससे पहले डिफेन्स प्रोडक्ट को प्राथमिकता देने के लिए यह डील की गई थी। 13 मार्च 2014 में फ्रांस की कंपनी और भारत की कंपनी के बीच करार भी हुआ था और दो डबल इंजन वाले लड़ाकू विमान सिलेक्ट किए गए थे। सूरजेवाला ने आरोप लगाया कि राफेल सौदे में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है।

अरुधंती रॉय ने चुनाव प्रचार के लिए जिग्नेश मेवाणी को दिए तीन लाख

अहमदाबाद (ईएमएस)। बुकर पुरस्कार से सम्मानित मशहूर लेखिका अरुधंती रॉय ने गुजरात विधानसभा का चुनाव लड़ रहे दलित नेता जिग्नेश मेवाणी को प्रचार के लिए रु. 300000 का चंदा दिया है। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले की वडगाम विधानसभासीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे मेवानी ने प्रचार के लिए क्राउड फंडिंग के जरिए कुल 9 लाख रुपये जुटा लिए हैं। मेवानी ने बताया कि रॉय ने डोनेशन के रूप में तीन लाख रुपये दिए हैं। रॉय के अलावा नारीवादी लेखक प्रोफेसर निवेदिता मेनन ने भी 50 हजार रुपये का चंदा दिया है। अब तक हमने कुल 9 लाख रुपये का चंदा जुटा लिया है। अब इसकी मदद से हम अपने चुनावी अभियान को मजबूती से आगे बढ़ा पाएंगे। एक सवाल के जवाब में मेवानी ने कहा कि मैंने सोशल मीडिया के जरिए करीब एक सप्ताह पहले खुले तौर पर लोगों से सहयोग की अपील की थी। इसके बाद रॉय ने मुझे सहयोग किया है। मैं पहले से भी उनके संपर्क में था। रॉय के अलावा नारीवादी लेखक प्रोफेसर निवेदिता मेनन ने भी 50 हजार रुपये का चंदा दिया है। अब तक हमने कुल 9 लाख रुपये का चंदा जुटा लिया है। अब इसकी मदद से हम अपने चुनावी अभियान को मजबूती से आगे बढ़ा पाएंगे।गौरतलब है ऊना कांड के बाद गुजरात में दलित नेता के तौर पर उभरे जिग्नेश मेवानी की दलित समाज में अच्छी पकड़ है। वडगाम की आरक्षति सीट से मेवानी की उम्मीदवारी के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने यहां से अपने वर्तमान विधायक को हटा लिया है।

भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले विद्रोही होंगे पार्टी से बाहर

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे बागियों को पार्टी से निष्कासित किया जाएगा। पहले चरण के चुनाव में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे चार बागियों को भाजपा सस्पेंड कर चुकी है। अब दूसरे चरण में 7 से ज्यादा उम्मीदवारों के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पार्टी के बागियों के खिलाफ भाजपा जल्द ही निष्कासन की कार्यवाही कर सकती है। गुजरात विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव में अहमदाबाद समेत उत्तर और मध्य गुजरात की 93 सीटों पर नाम वापस लेने का कल अंतिम दिन था। नाम वापस लेने के अंतिम दिन आखिरी पल तक भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे बागियों को समझाने का हरसंभव प्रयास किया। जिसमें कुछ मान गए तो कुछ अपनी जिद पर अड़े रहे। ऐसे बागियों के खिलाफ भाजपा जल्द ही निलंबन की कार्यवाही करेगी। कपड़वंज से पूर्व मंत्री बिमल शाह ने उम्मीदवारी बरकरार रखी है। खेडा की छह सीटों में से ज्यादातर सीटों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने निर्दलीय उम्मीदवारी की है। जिसमें बिमल शाह के अलावा मेहमदाबाद से जुवानसिंह चौहाण ने भी नाम वापस नहीं लिया। वडोदरा के धर्मेन्द्रसिंह वाघेला, सयाजीगंज से राजेश आयर भी अपनी जिद पर कायम रहे। पिछले दो दिन से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और प्रभारी भूपेन्द्र यादव समेत अन्य नेता इन बागियों को समझाने का प्रयास कर रहे थे। पूर्व विधायक कमाभाई राठौड़ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन उनके साथी ज्यादातर नेताओं के खिलाफ अगले सप्ताह निलंबन की कार्यवाही की जा सकती है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने पार्टी विरोधी काम करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

राहुल के बाद अब सोनिया गांधी उतरेंगे प्रचार मैदान में

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के बाद अब पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगी। गुजरात में पांच दौरा कर चुके राहुल गांधी लोगों को कांग्रेस की ओर मोड़ने में सफल भी हुए हैं। राहुल गांधी के कार्यक्रमों को मिल रही सफलता से कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उत्साह है। इस उत्साह को चुनाव तक बरकरार रखने अब कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी चुनाव प्रचार के मैदान में उतरेंगी। जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी पंचमहल, गोधरा, समेत दक्षणि गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों का दौरा करेंगी। यदि ऐसा होता है तो मौजूदा विधानसभा चुनाव में सोनिया गांधी यह पहला गुजरात दौरा होगा। कांग्रेस ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में सोनिया गांधी की सभा का आयोजन कर रही है, जहां भाजपा के साथ उसकी कांटे की टक्कर है। हांलाकि सोनिया गांधी के कार्यक्रमों का आयोजन उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

गुजरात में बढ़ी ठंड, नलिया सबसे ठंडा शहर

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर समेत राज्यभर में ठंड धीरे धीरे बढ़ रही है। कच्छ जिले के नलिया आज गुजरात में सबसे ठंडा शहर रहा। जहां तापमान 11.8 डिग्री दर्ज हुई। कल रात से चल रही हवा के कारण ठंड बढ़ी है। अहमदाबाद में न्यूनत तापमान 15.9 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं अमरेली में 12.6 डिग्री, वलसाड में 12.6 डिग्री, डीसा में 13.9 डिग्री, वडोदरा में 15 डिग्री और राजकोट में 15.4 न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ। हवा के कारण आनेवाले दिनों में ठंड बढ़ने के आसार हैं। रात के साथ ही दिन में भी ठंड का असर बढ़ गया है, जबकि दिन ढलने के बाद तापमान में तेजी से कमी आ रही है। माना जा रहा है कि रात के साथ ही दिन का तापमान और कम होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तापीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,
सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com